VISION IAS

18 DEC 2021

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1516)

Name of Candidate	Ravi		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	168117
Center	Delhi · 17/12/2021	Date	17/12/2021

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Do laws need to be consistent with the prevalent moral norms? Discuss with examples. **(150 words) 10**

क्या कानूनों को प्रचलित नैतिक मानदंडों के अनुरूप होना चाहिए? उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

कानून संप्रभु सत्ता द्वारा समर्थित मानदंडों का समुच्चय है जो सामाजिक नियंत्रण का कार्य करता है। उदा॰ सती प्रथा विरोधी कानून।

नैतिकता व कानून में साम्य

(i) दोनों को सामाजिक स्वीकृति –
उदा॰ मदद करने का मूल्य व गुड सैमेरिटन कानून।

(ii) व्यापक प्रभाव उत्पन्न करना :- भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों को यदि सामाजिक मानदंडों के अनुरूप बनाया जाये तो व्यापक प्रभाव उत्पन्न होंगे।

(iii) नैतिकता अभिवृत्ति में होती है :- अहिंसा के मूल्य वाला व्यक्ति बिना कानून के ही हिंसा नहीं करेगा।
धार्मिक प्रभावों के संबंध में महात्मा

गांधी का विचार था कि धर्म पर टिकी नैतिकता प्रभावी होती है और यदि इस अनुरूप कानून बनाये जायें तो व्यापक प्रभाव पैदा करेंगे।

कानून को सामाजिक मानदंडों के अनुरूप न होना

(i) कई समाज के मानदंड श्रेणीक्रम आधारित।
उदा० - वर्ण व्यवस्था।

(ii) महिला पूर्वाग्रह :- उदा० - IPC धारा 375

(iii) सामाजिक अन्याय :- दलितों, ट्रांसजेंडरों पर आधारित।

(iv) रूढ़िवाद को बढ़ावा मिल सकता है।

आगे की राह

(i) आधुनिक मूल्यों से सुसंगत सामाजिक नैतिकता को अपनाना चाहिये। उदा० हिंसा न करना।

(ii) इससे असंगत मानदंडों के अनुरूप निर्माण न किया जाये।

अतः उच्चतर सत्य व प्रगतिशीलता युक्त कानूनों का निर्माण किया जाना चाहिये।

1. **(b)**"People's indifference is the best breeding ground for corruption to grow". Comment. **(150 words) 10**

"लोगों की उदासीनता भ्रष्टाचार में वृद्धि के लिए सर्वाधिक अनुकूल परिस्थिति है।" टिप्पणी कीजिए।

भ्रष्टाचार से तात्पर्य है कि धन, व्यक्तिगत लाभ के लिये अवांछित कार्य करके मूल्यविरुद्ध कार्यवाही करना।

लोगों की उदासीनता व भ्रष्टाचार :- द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने भी इस ओर ध्यान आकर्षित किया था -

उदासीनता के कारण

- भ्रष्टाचार को 'सामाजिक स्वीकृति' (प्राचीन जजमानी व्यवस्था)
- लोगों में कानूनी जागरूकता का अभाव
- भ्रष्टाचार की संस्कृति का होना → आर्थिक लाभ की आशंका विद्यमान होना।
- लोगों द्वारा रिश्वत-कल्चर को प्रोत्साहन।
  - दंड से बचने हेतु
  - कार्य शीघ्र सम्पन्न कराने हेतु।

परिणाम – भ्रष्टाचार को प्रोत्साहन।
→ भ्रष्ट कर्मचारियों के दुस्साहस में वृद्धि।
→ ईमानदार के मनोबल में गिरावट।
→ प्रशासनिक संस्कृति का ह्रास।

उपाय – (i) उचित शिक्षा।
(ii) प्रशासन में जवाबदेहिता व पारदर्शिता का समावेशन।
(iii) सामाजिक जवाबदेही वृद्धि – उदा. बैंगलुरु का सिटीजन रिपोर्ट कार्ड।
(iv) RTI व सिटीजन चार्टर का सुदृढ़ीकरण।
(v) नागरिक सहभागिता वृद्धि।

अन्य स्तरों पर सोशल ऑडिट जैसे नवाचारी उपागम इस प्रवृत्ति को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) In the context of COVID-19 pandemic, discuss the importance of Emotional Intelligence among healthcare workers. **(150 words) 10**

कोविड-19 महामारी के संदर्भ में, स्वास्थ्य कर्मियों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

सैलोवी व मेयर के अनुसार :- भावनात्मक बुद्धिमत्ता वह योग्यता है जो व्यक्ति को स्वयं या दूसरों की भावनाओं या अनुभूतियों की पहचान कराती है व इन भावनाओं व अनुभूतियों का प्रयोग उसके कार्यों व प्रक्रियाओं को निर्देशित करने में करती है।

स्वास्थ्य कर्मियों को लाभ

① आत्म जागरूकता : मरीजों को उनके कर्त्तव्यों (सोशल डिस्टेंसिंग) का ज्ञान कराना।
- स्वयं के करुणा, संवेदना के मूल्य जगाना।

② आत्म नियंत्रण
→ करुणा की थकान से बचना
→ अधिक कार्य में भी क्रोध जैसे भावों पर नियंत्रण बनाना।

③ आत्म प्रबंधन
→ सेवा भावना जैसे भावों को बढ़ाना।
→ तनाव, चिंता प्रबंधन में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ समानुभूति
- मरीजों के प्रति।
- मरीजों के अभिभावकों के प्रति।

⑤ सामाजिक व्यवहार
- विपरीत स्थिति में भी संयम बनाये रखने में।
- मरीजों को सकारात्मक वातावरण देना।
- "वैक्सीन हेजिटेन्सी" के बारे में जागरूकता प्रसार में।
- आइसोलेशन नियम अनुपालन में।

इस प्रकार अपने पांच प्रकार्यों के द्वारा यह गुण कर्मियों को बहुआयामी लाभ पहुँचा सकता है।
उचित प्रशिक्षण व सीखने की प्रक्रिया आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** It is the 'spirit of service' that motivates a public servant to serve the country's interests and address people's issues. Discuss. **(150 words) 10**

'सेवा की भावना' एक लोक सेवक को देश के हितों की पूर्ति और जन समस्याओं के समाधान हेतु प्रेरित करती है। चर्चा कीजिए।

सेवा भावना से तात्पर्य है कि एक लोकसेवक अपने अधिकार व कर्त्तव्यों को स्वहित में न समझकर, सत्यनिष्ठा, संवेदना के मूल्य से युक्त होकर समाज के हित में समझे।

उदाहरण :- राजस्थान के लोकसेवक 'समित शर्मा' द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किये गये नवाचार।

सेवा भावना

देश के हित

- सार्वजनिक सेवा आपूर्ति में मदद।
- सामाजिक न्याय को स्थापित करना।
- निस्वार्थ होकर सार्वजनिक हित को प्राथमिकता देना

उदा० मदर टेरेसा द्वारा कुष्ठ रोगी सेवा।

जन समस्या समाधान

- आवश्यक वस्तु तक पहुँच।
- शिक्षा, स्वास्थ्य तक पहुँच।
- वंचित वर्गों तक लाभ।
- संवैधानिक लक्ष्यों की प्राप्ति।
- समता व न्याय स्थापना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदाहरण के लिये मध्यप्रदेश के IAS अधिकारी P. नरहरि ने दिव्यांगों के प्रति सेवा भावना द्वारा सुगम्य परिवेश निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सेवा भावना व प्रेरणा :-

↳ यह सिविल सेवक को निरंतर प्रेरणा प्रदान करती है कि वह अपने कर्त्तव्यों का पालन अचूक करे।

इस प्रकार यह भावना न केवल व्यक्तियों के हितों तक है बल्कि महात्मा गांधी के अंत्योदय, के सिद्धान्त के अनुरूप सामाजिक न्याय व राष्ट्रविकास को भी प्रोत्साहित करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** Ethics does its work in the world by granting and withdrawing legitimacy. Discuss in the context of role of ethics in international relations. **(150 words) 10**

नैतिकता विश्व में वैधता प्रदान करने और वापस लेने के माध्यम से अपनी कार्य करती है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता की भूमिका के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता से तात्पर्य किसी देश के नागरिकों का अन्य देशों के नागरिकों, संस्थाओं, संगठनों व नियम कानूनों के प्रति आदर्शमूलक व्यवहार के विचार से है।

भूमिका

वैधता प्रदान करना

सकारात्मक अर्थों में
- आतंकवाद के ऊपर कार्यवाही।
- आपदा-संघर्ष के लोगों के बचाव

उक्त कार्यवाहियों को वैधता

नकारात्मक
- यथार्थवादी नीति में पश्चिमी राष्ट्रों द्वारा मानवाधिकार हनन आदि के मुद्दों पर कार्यवाही पर उदारीकरण सिद्धान्तों द्वारा वैधता पाना।

वैधता वापस लेना

सकारात्मक अर्थ में
- शासन करने की वैधता लेना- तानाशाही शासन।

नकारात्मक अर्थ में
- अफ्रीकी देश, इराक में अमेरिका द्वारा तत्कालीन सद्दाम

• उत्पीड़न, दमन शोषण के कृत्यों को वैधता न देना - उदाहरण - हिटलर का शासन	हुसैन के शासन को उखाड़ने हेतु 'नैतिक वैधता वापस लेने' को आधार बनाया गया।

इस प्रकार विभिन्न देशों द्वारा नैतिकता की विषयनिष्ठ व्याख्या के कारण इस प्रकार की भ्रांतियाँ उत्पन्न होती है।

आगे की राह → ग्लोबल गवर्नेंस को बढ़ावा।
→ गीता, कांट, रॉल्स आदि के सिद्धान्तों के अनुरूप सार्वभौमिक नियम निर्माण।
→ संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों का सृजनात्मक व सहभागी प्रयोग।
→ दबाव के बजाय सहमति पर सहयोग पर ज़ोर देना।

इस प्रकार उपर्युक्त प्रयास के समान वस्तुनिष्ठ नैतिकता की राह प्रशस्त कर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की धारणा साकार कर सकते है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Sustainable growth of an organisation can result only by aligning its decisions to the interests of all stakeholders, not merely its shareholders. Do you agree? Justify with logical arguments. **(150 words) 10**

किसी संगठन का सतत विकास केवल सभी हितधारकों के हितों से अपने निर्णयों को संरेखित करने से ही हो सकता है, न कि केवल हितधारकों को जोड़ने से। क्या आप सहमत हैं? उचित तर्कों के साथ औचित्य सिद्ध कीजिए।

1929 की महान मंदी व कीन्स के विचारों ने इस संकल्पना को लोकप्रिय बनाया कि केवल शेयर-धारकों के प्रति जवाबदेहिता के परिणाम हमेशा उचित नहीं होते।

शेयरधारक = लाभ की जवाबदेहिता

किंतु (i) व्यापक समाज के प्रति जवाबदेहिता नहीं - असमानता वृद्धि।

(ii) बाह्यताओं (Externalities) में वृद्धि। उदा० प्रदूषण।

(iii) 'अंधा लाभ' भ्रष्टाचार को जन्म दे सकता है।

(iv) सरकार को 'कर' हानि।

(v) नियमों का अनुपालन नहीं।

महात्मा गांधी ने बिना चरित्र व कार्य के 'लाभ को पाप' की संज्ञा दी थी। इसी चरित्र के लिये सभी हितधारकों के प्रति

जवाबदेही अनिवार्य है।

लाभ (i) हितधारक — लाभ
- ↳ शेयरधारक — लाभ
- ↳ सरकार — उचित कर
- ↳ समाज — सामाजिक दायित्व
- ↳ पर्यावरण — संरक्षण
- ↳ कर्मचारी — उचित प्रोत्साहन, वेतन, भत्ते

उदय कोटक समिति ने इसी मामले में कंपनी को बहुविध जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा जिससे —
- कॉर्पोरेट घोटालों में कमी।
- कंपनी की ब्रांड वैल्यू मजबूत।

अतः सिद्ध है कि महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप सिद्धान्तों के अनुरूप ट्रिपल बॉटमलाइन का ध्यान रखते हुए कंपनी को सभी हितधारकों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

Tripple Bottomline

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Shri Lal Bahadur Shastri's life exemplifies value-driven public service of the highest order. What are the values one can learn from his life to be a good citizen and a good administrator? **(150 words) 10**

श्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन उच्चतम स्तर की मूल्य-संचालित सार्वजनिक सेवा का उदाहरण है। एक अच्छा नागरिक और एक अच्छा प्रशासक बनने के लिए उनके जीवन से कौन-से मूल्य सीखे जा सकते हैं?

भारत सरकार में महत्वपूर्ण पदों व अन्ततः प्रधान मंत्री के रूप में सेवाएँ देने के साथ राष्ट्रीय आंदोलन में भी आपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीख

① सत्यनिष्ठा का मूल्य :- रेल दुर्घटना (1956) में जिम्मेदारी लेते हुए पद से त्याग देना।

② सादगी :- अनियंत्रित इच्छाओं से रहित होकर सादा जीवन जीने में विश्वास की सीख।

③ दृढ़ता :- भारत-पाकिस्तान युद्ध (1965) में दृढ़ व मजबूत निर्णय।

④ परिश्रम :- कठिनाई भरे बचपन में शिक्षा अर्जन करना।

⑤ मितव्ययता → ~~कम खर्च~~ कम खर्च वाला जीवन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- भ्रष्टाचार निवारण में सहायक।

(6) संवेदना :- हरित क्रान्ति में भूख से लड़ने हेतु उपाय।

- किसानों व सैनिकों के प्रति संवेदना - 'जय-जवान जय किसान का नारा'

(7) नेतृत्व का मूल्य :- अकाल के समय अमेरिका के अनाज न देने पर भी आत्मसम्मान न छोड़कर जनता का नेतृत्व।

इस प्रकार शास्त्री जी का संपूर्ण जीवन ही 'सीख' का जीवन है और उनके कृत्य प्रेरणा के स्रोत।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** There is a view that the institutional mechanisms to ensure accountability of civil servants have weakened over time. In this context, discuss the need of a social accountability law in India. **(150 words) 10**

यह विचार व्यक्त किया जाता है कि लोक सेवकों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत तंत्र समय के साथ कमजोर हो गया है। इस संदर्भ में, भारत में एक सामाजिक जवाबदेही कानून की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

भारत में सिविल सेवकों की जवाबदेही हेतु आंतरिक व बाह्य दो रूपों में संस्थागत तंत्र विद्यमान है।

आंतरिक
- वरिष्ठ द्वारा निगरानी
- CBI, CVC, लोकपाल
- भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो आदि।

बाह्य
- सर्वोच्च न्यायालय
- नियंत्रक व महालेखा परीक्षक

असफलता
- भ्रष्टाचार की व्याप्तता।
- जनवितरण प्रणाली में लीकेज।
- लालफीताशाही, लेट-लतीफी, रूढ़िवादिता का मौजूद रहना।

सामाजिक जवाबदेहिता की ज़रूरत :- इससे तात्पर्य संपूर्ण समाज के सम्मुख अपने कृत्यों का औचित्य सिद्ध करने से है-

(i) लोकतांत्रिक सिद्धान्त के अनुरूप।

(ii) प्रभावों से संबंध :- सेवा वितरण, नीति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्रियान्वयन पर सीधे सवाल पूछा जाना।

(iii) सिविल सेवा में 'लोक विश्वास' का सृजन।

(iv) जन- जागरूकता में वृद्धि।

(v) जन- सामान्य की विशिष्ट समस्याओं के प्रति जागरूकता व संवेदना का विकास।

आगे की राह :- (i) व्यापक नीति का निर्माण।

(ii) जागरूकता सृजन।

(iii) RTI व सिटीजन चार्टर को मजबूत बनाना।

(iv) सोशल ऑडिट हेतु कानून बनाना।

पंचायती राज मंत्रालय के राष्ट्रीय कैपिसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क के अनुरूप संस्थागत सृजन कर एकीकृत नीति निर्माण की आवश्यकता है।

5. **(a)** Why has anonymity of civil servants traditionally been seen as an important arrangement? In this context, discuss your opinion on the doctrine of facelessness in civil services. **(150 words) 10**

परंपरागत रूप से लोक सेवकों की अनामिकता को एक महत्वपूर्ण व्यवस्था के रूप में क्यों देखा गया है? इस संदर्भ में, लोक सेवाओं में अनामिकता के सिद्धांत पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अनामिता के सिद्धान्त से तात्पर्य है कि कोई भी सिविल सेवक अपने कार्य के संबंध में –

(i) बिना लोकप्रियता की अपेक्षा के अपने कर्त्तव्यों का पालन करेगा।

(ii) मंत्रियों के 'प्रतिनिधित्व व जवाबदेही' सिद्धान्त के अधीन कार्य करेगा।

(iii) कार्यों हेतु लोक प्रशंसा की अपेक्षा नहीं रखेगा।

महत्वपूर्ण व्यवस्था क्यों?

(i) सिविल सेवा लोकतांत्रिक नहीं है।

(ii) जनता के प्रति जवाबदेही मंत्रियों की है अत: उन्हें जनता के सम्मुख जाना चाहिये।

(iii) लोकप्रियता का आनंद तटस्थता का लोपन कर सकता है

(iv) इस सिद्धान्त के बिना वस्तुनिष्ठता व

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तटस्थता प्रभावित हो सकती है।

हालिया संदर्भ में विचार

(i) हालिया समय में चलन अधिक।

(ii) मशहूर होने की भावना।

(iii) सोशल मीडिया का प्रभाव - फॉलोअर बढ़ाने की प्रवृत्ति।

(iv) वीडियो आदि के माध्यम से कार्यों का बखान।

प्रधानमंत्री ने हालिया IPS संबोधन में इस संबंध में आग्रह किया है। इसके साथ ही आचार - संहिता में भी संशोधन कर इसका प्रवर्तन कराया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** In the age of social media, influencers have a huge following and have gained prominent marketing roles. In this context, discuss the ethical issues involved in influencer marketing. **(150 words) 10**

सोशल मीडिया के दौर में, प्रभावशाली लोगों के फॉलोअर्स बहुत बड़ी संख्या में हैं और उन्होंने अग्रणी मार्केटिंग भूमिकाएं प्राप्त कर ली हैं। इस संदर्भ में, प्रभावशाली लोगों द्वारा मार्केटिंग में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

सोशल मीडिया एक प्लेटफॉर्म है जो समावेशन, 24×7, द्विपक्षीय संवाद, कम खर्चीला जैसी विशेषताओं के कारण आज जनसामान्य पर व्यापक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है।

प्रभावशाली लोगों के कृत्य व मुद्दे

(i) बिना जाँच- परख के प्रोडक्ट की मार्केटिंग।

(ii) 'ब्लाइंड फॉलोवर्स' पर बिना तर्क के प्रोडक्ट खरीदा जाना।

(iii) वर्गीय हितों या प्रोपेगेंडा फैलाने का मुद्दा :- जातिवादी राजनीति या धार्मिक प्रभावशाली वर्ग (Dominance)।

(iv) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागु होने का मुद्दा।

(v) नकली, कस्टमाइज्ड उत्पाद बेचने का

मुद्दा |
(vii) ब्रांड कंपनी की जवाबदेही न होना |

हानियाँ व चुनौतियाँ

(i) फेक उत्पादों को बढ़ावा |
(ii) ब्यूटी प्रोडक्ट व स्वास्थ्य से सीधा संबंध |
(iii) मार्केट प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव |
(iv) बिना जवाबदेही के व्यापार | (कॉर्पोरेट शासन)

आगे की राह

- सेलिब्रिटी पक्ष
  - जाँच कर मार्केट करें |
  - तंत्र विकास
- फॉलोवर पक्ष
  - सोशल मीडिया शिक्षा व जागरूकता
- प्लेटफॉर्म
  - दिशा-निर्देश जारी करें |

इस सन्दर्भ में सरकार भी कुछ दिशा-निर्देश जारी कर सकती है व शिकायत-निवारण तंत्र हेतु प्रावधान करना चाहिए

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) Every man must decide whether he will walk in the light of creative altruism or the darkness of destructive selfishness. – Martin Luther King Jr.
(150 words) 10

"प्रत्येक व्यक्ति को यह तय करना होगा कि वह रचनात्मक परोपकारिता के प्रकाश में चलेगा या विनाशकारी स्वार्थ के अंधेरे में।" -मार्टिन लूथर किंग जूनियर

परोपकारिता के महत्व को उजागर करती ये पंक्तियाँ भारत के प्राचीन मूल्यों के साथ-साथ परोपकार के व्यक्ति पर प्रभाव का विवेचन करती है।

प्रमुख बिन्दु

(i) परोपकार परम धर्म है - जैसे तुलसीदास ने कहा है - 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई।'

(ii) परोपकार व्यक्ति के पथ को प्रकाशमान करता है व उसकी पीड़ाओं को दूर करता है-
"तुम्हारे दिल की चुभन जरूर कम होगी किसी के पाँव का काँटा निकालकर तो देखो।"

(iii) परोपकार करने वाले व्यक्ति को इससे रचनात्मक मानसिक लाभ होता है। कई विद्वानों ने 'देने के सुख' को सर्वोच्च सुख माना है।

स्वार्थ :- हॉब्स ने स्वार्थ को मनुष्य की मूल प्रवृत्ति बताया था किंतु इसके निम्न हानिकारक प्रभाव है–

(i) प्रत्येक व्यक्ति की स्वार्थ संतुष्टि संभव नहीं।

(ii) 'स्वार्थ' अनियंत्रित भोग विलास को जन्म देता है। (आधुनिक प्राकृतिक क्षरण समस्या)

(iii) स्वार्थ – संवेदना, करुणा जैसे मूल्यों को समाप्त करता है।

अतः मार्टिन लूथर किंग के अनुसार हमें संकीर्ण स्वार्थों के जरिए परोपकार के मूल्य को बढ़ावा देना चाहिये ताकि प्रत्येक व्यक्ति इससे लाभान्वित हो सके। जैसा कि रहीम ने दोहे में कहा है–

"रहिमन यों सुख होत है, परउपकारी संग
बांटनवारे को लगै, ज्यों मेंहदी के रंग।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** Let us sacrifice our today so that our children can have a better tomorrow. – A.P.J. Abdul Kalam **(150 words) 10**

"आइए, हम अपने आज का बलिदान कर दें ताकि हमारे बच्चों का कल बेहतर हो सके।" - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

समावेशी विकास, अन्तपीढ़ी समता व भविष्य के शैक्षिक विकास को दर्शाती ये पंक्तियाँ शिक्षा के साथ-साथ बाल विकास को संबोधित करती हैं।

प्रमुख बिंदु

(1) आज का बलिदान :- इससे तात्पर्य ज़रूरतों या आधारभूत वस्तुओं के बलिदान से नहीं है।

- इससे तात्पर्य भोग, अनियंत्रित लालच के बलिदान से हैं जो हमारी पीढ़ी आजकल कर रही है।
- अनियंत्रित लालच → संसाधन समाप्त → भविष्य की पीढ़ी के लिये नहीं बचेगा।

(2) बच्चों का बेहतर कल :- ब्रंटलैण्ड की सतत विकास रिपोर्ट के अनुरूप आने वाली पीढ़ियों की परवाह युक्त उपभोग करने हम उन्हें गुणवत्तायुक्त व सुरक्षित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भविष्य दे सकते हैं।
दूसरे अर्थों में ये पंक्तियाँ परिश्रम व सेवा भावना को व्यक्त करती है।
* आजका परिश्रम व सेवा भावना युक्त कार्य = विकास होगा ⇒ आर्थिक समृद्धि होगी ⇒ आने वाली पीढ़ियों का बेहतर भविष्य।
इसी रूप में आज पेड़ लगाना (समय का बलिदान) आने वाले बच्चों को फल देगा।
इस प्रकार समावेशी विकास के साथ मेहनत का मूल्य ये पंक्तियाँ उद्धृत करती है।

6. **(c)** I measure the progress of a community by the degree of progress which women have achieved. – B.R. Ambedkar **(150 words) 10**

"मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है।" -बी. आर. अम्बेडकर

महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर लिखी गई पंक्तियाँ महिला विकास व प्रगति की सापेक्ष आनुपातिकता को व्यक्त करती है।

महिला विकास व प्रगति

(i) महिला :- आधी आबादी का प्रतिनिधित्व।

(ii) सामाजिक परिवर्तन :- अमर्त्य सेन ने महिलाओं को सामाजिक परिवर्तन की एजेंसी कहा है

- **शिक्षित महिला** → परिवार व बच्चों की शिक्षा।
- **स्वस्थ महिला**
  - परिवार स्वास्थ्य पर ध्यान
  - कुपोषण व बीमारियाँ कम
- **विकसित महिलाएँ**
  - सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार
  - दहेज प्रथा।

(iii) अन्त्योदय सिद्धान्त के अनुरूप :- चूँकि महिलाएँ सीमांत व शोषित वर्ग में है अतः जिस समाज में ये विकसित होंगी निश्चित रूप

से वह समाज 'समावेशी' होगा।

(iv) महिला विकास का बहुआयामी प्रभाव :

आर्थिक :- क्रिस्टीन लगार्ड - भारत की GDP 27% बढ़ जायेगी यदि महिलाओं को नियोजित किया जाये।

ब्रिघम यंग :- पुरुष शिक्षा = 1 पीढ़ी सुधार
महिला शिक्षा = 2 पीढ़ी सुधार।

अतः इन्हीं कारणों से अंबेडकर का यह कथन आज के महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, विकास के प्रयासों में महत्वपूर्ण है।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. You are a young officer posted as the Sub Divisional Magistrate in a district which houses factories for making match boxes and fire crackers. It is brought to your notice that a large number of children are working in these hazardous activities. The government had previously released a notification that owners of these manufacturing units need to report on the profiles of their employees annually to prevent child labour. These manufacturing units, abiding by the directives of the government, publish such reports annually and claim to have successfully put an end to employment of child labour. However, there are reports that these units are taking advantage of loopholes in the law. They are using contractors to continue to indirectly hire children without them officially being on the payroll of the units. Families of these child labourers are poor and see this as an essential source of income. An influential local politician also owns some of these manufacturing units and is known to put pressure on the officers involved for not taking any action against child labour.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues in this case.

(b) How would you approach the problem and what would be the main elements of your action?

(c) What medium to long-term measures will you propose to tackle the problem of child labour in the district? **(20)**

आप एक युवा अधिकारी हैं जो ऐसे जिले में अनुमंडल दंडाधिकारी के पद पर तैनात हैं, जहां माचिस और पटाखे बनाने की फैक्ट्रियां अवस्थित हैं। आपके संज्ञान में लाया गया है कि इन खतरनाक गतिविधियों में बड़ी संख्या में बच्चे कार्य कर रहे हैं। सरकार ने पहले एक अधिसूचना जारी की थी कि इन विनिर्माण इकाइयों के मालिकों को बाल श्रम को रोकने के लिए वार्षिक रूप से अपने कर्मचारियों की प्रोफाइल के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है। ये विनिर्माण इकाइयां, सरकार के निर्देशों का अनुपालन करते हुए, वार्षिक रूप से ऐसी रिपोर्ट प्रकाशित करती हैं और दावा करती हैं कि बाल श्रम के नियोजन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया गया है। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि ये इकाइयां कानून की त्रुटियों का लाभ उठा रही हैं। वे ठेकेदारों का उपयोग बच्चों को बिना आधिकारिक तौर पर इकाइयों के पेरोल पर नियोजित करके उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से कार्य पर रखने के लिए कर रही हैं। इन बाल मजदूरों के परिवार निर्धन हैं और इसे आय का एक अनिवार्य स्रोत मानते हैं। एक प्रभावशाली स्थानीय राजनेता भी इनमें से कुछ विनिर्माण इकाइयों का मालिक है और बाल श्रम के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए इसमें शामिल अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए जाना जाता है।

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आप इस समस्या के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाएंगे और आपकी कार्यवाई के मुख्य तत्व क्या होंगे?

(c) जिले में बाल श्रम की समस्या से निपटने के लिए आप कौन-से मध्यम से दीर्घकालीन उपाय प्रस्तावित करेंगे?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान में भारत में जनगणना 2011 के अनुसार 10.1 मिलियन बच्चे बालश्रम से प्रभावित हैं और कानून व संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद किस प्रकार यह समस्या आज भी व्याप्त है – इस प्रकरण को यह केस स्टडी संबोधित करती है।

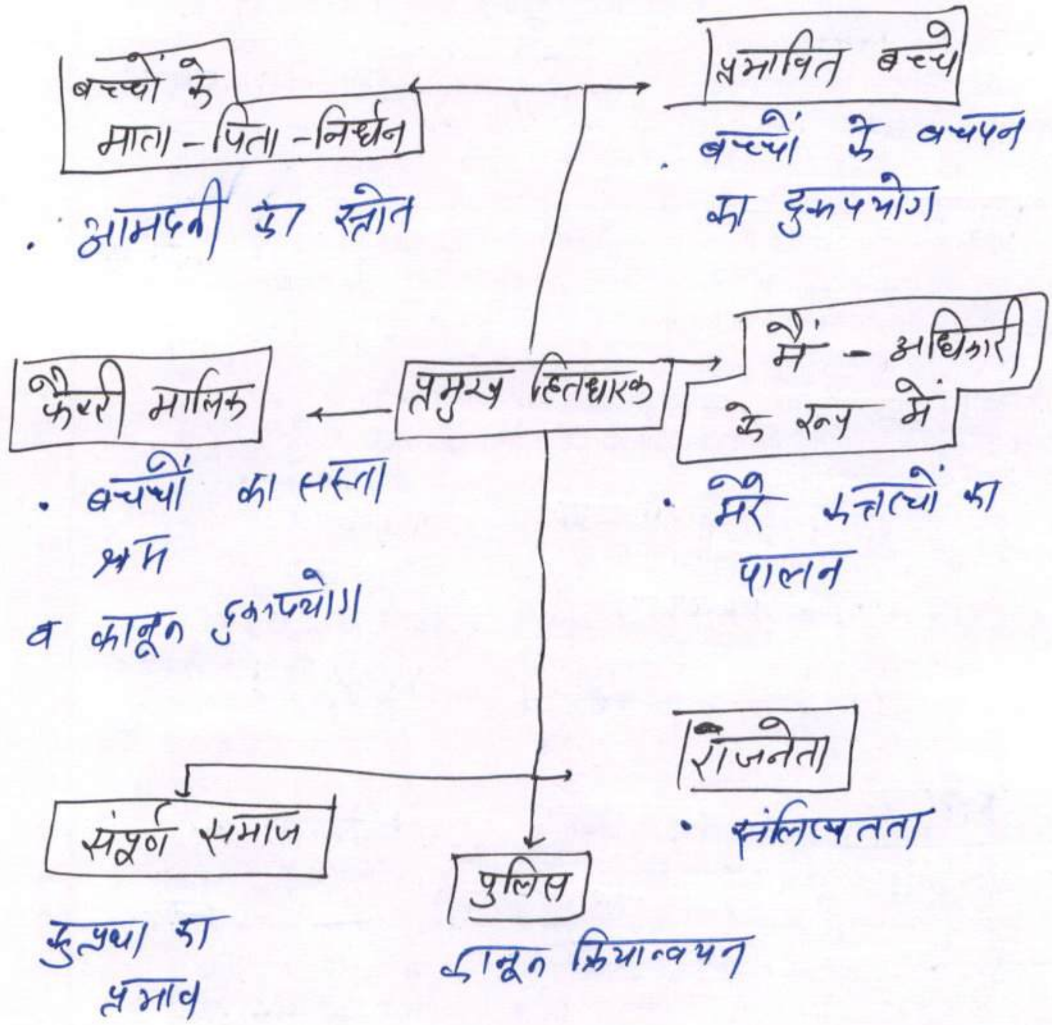

प्रमुख नैतिक मुद्दे

(i) कानून के रूप में 'प्रक्रियागत न्याय' एवं त्रुटियों का लाभ उठाकर प्रयोग कर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आधारभूत न्याय में अवरोध का मामला।

(ii) बाल श्रम उन्मूलन से संबंधित अभिसमय (UN) से संबंधित बालकों के कल्याण का मुद्दा।

(iii) मेरे कर्तव्यपालन का मुद्दा।

(iv) राजनेताओं के भ्रष्टाचार, कुप्रथा बढ़ाने का मुद्दा।

(v) माता-पिता की गरीब (आर्थिक हित) बनाम बच्चों के भविष्य (सार्वजनिक हित) का मुद्दा।

(vi) कम लागत पर बच्चों का श्रम (लागत लाभ) व मानवाधिकार उल्लंघन का मुद्दा।

(vii) बच्चों के भविष्य व अधिकार हनन का मुद्दा।

मेरी कार्यवाही का स्वरूप :- सभी हितधारकों को संबोधित कर कांट के सार्वभौमिकता के नियम, कर्तव्य सिद्धान्त व जॉन रॉल्स के न्याय सिद्धान्त के आलोक में मैं निम्न कार्य करूँगा।

(i) **ठेकेदार** :- पूर्ण जाँच कर त्रुटि प्रयोग कर लाभ लेने पर कार्यवाही करूँगा।

(ii) माता-पिता :- भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रयोग द्वारा बाल-श्रम के दीर्घकालिक होने हानियों के बारे में जानकारी दूँगा।
- सहयोगार्थ अनुनयन करूँगा।

(iii) राजनेता :- सुकरात के 'speaking truth to power' सिद्धान्त के अनुरूप बिना भय के बातचीत कर उनका सहयोग लेकर कानून क्रियान्वयन करूँगा।

(iv) बच्चे :- प्रभावी डेटा से उनका पुनर्वास सुनिश्चित कराऊँगा।

(v) समाज :- कठोर व प्रभावी कार्यवाही द्वारा उदाहरण पेश करूँगा।

(vi) पुलिस - अपेक्षित समन्वय व सहयोग करूँगा — (निष्पक्ष जाँच व रेड में)

प्रस्तावित उपाय

(1) निवारक :- (i) प्रभावी सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन
- मनरेगा, मिड डे मील, राष्ट्रीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खाद्य सुरक्षा अधिनियम।

② कार्यवाहक :- संविधान के अनुच्छेद -24 व बाल श्रम उन्मूलन अधिकार का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना

- प्रावधानों का सारत: व अक्षरश: क्रियान्वयन।

③ पुनर्वास :- पीड़ित बच्चों के डेटा से 'नेशनल चाइल्ड लेबर रजिस्टर' के अनुरूप NGO व सिविल सोसाइटी के सहयोग द्वारा प्रभावी पुनर्वास व समयबद्ध क्षतिपूर्ति दिलाने में मदद करना

इस प्रकार उपर्युक्त कार्यवाही व सुझावों द्वारा देश के भविष्य के प्रभावी कल्याण, पुनर्वास व बचाव में प्रभावी मदद कर पाऊँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Many states in India have experimented with prohibition of liquor at various times. However, it is common knowledge that many such states have a thriving illegal liquor industry. Moreover, it is ironical that while many political parties have prohibition prominently mentioned in their manifestos, it is politicians who distribute alcohol among voters during their election campaigns. This also gives rise to illicit liquor trade and many people lose their lives to it.

(a) What are the socio-economic problems that are widely attributed to alcoholism?

(b) Do you think prohibiting liquor creates more problems than it proposes to solve?

(c) Short of prohibition, what can be done to tackle the problem of rising alcoholism, particularly among the youth of the country? **(20)**

भारत में कई राज्यों ने अनेक बार शराबबंदी के प्रयोग किए हैं। हालांकि, यह सर्वविदित है कि इनमें से कई राज्यों में अवैध शराब उद्योग फल-फूल रहा है। इसके अतिरिक्त, यह विडंबना है कि जहां कई राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा-पत्र में शराबबंदी का प्रमुखता से उल्लेख किया है, वहीं राजनेता अपने चुनाव अभियानों के दौरान मतदाताओं के बीच शराब बांटते हैं। इससे अवैध शराब के धंधे को भी बढ़ावा मिलता है और कई लोग इससे अपनी जान भी गंवा देते हैं।

(a) ऐसी कौन-सी सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ हैं जिनका कारण व्यापक रूप से मद्यपान है?

(b) क्या आपको लगता है कि शराब पर प्रतिबंध लगाने से समस्याओं के समाधान की तुलना में अधिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं?

(c) प्रतिबंध के अभाव में, विशेषकर देश के युवाओं में बढ़ती शराब की लत की समस्या से निपटने के लिए क्या किया जा सकता है?

'कथनी व करनी' के मध्य अंतर के साथ सत्यनिष्ठा में विचलन के मुद्दों को संबोधित करती यह केस स्टडी समाज में निहित बुराईयों व इनके निराकरण की समस्या पर प्रकाश डालती है।

सामाजिक व आर्थिक समस्याएँ

सामाजिक स्तर

- समाज में व्याप्त तनाव।
- शराब को कई वर्गों की सामाजिक स्वीकृति।
- कई धार्मिक प्रचलनों में शराब बांटने का प्रचलन उदा॰ भैरव पूजा।
- महिलाओं का प्रतिनिधित्व न होना
  - शराबबंदी के विरुद्ध प्रभावी रूप से खड़ी नहीं हो पाती

आर्थिक कारक

- गरीबी :- विश्व विकास रिपोर्ट :2015 के अनुसार यह संज्ञानात्मक कर की भांति है। व्यक्ति को दीर्घकालिक विजन के अनुरूप नहीं सोचने देती।
- बेरोजगारी → काम न होने का तनाव।
- कम कीमत - देशी शराब की कम कीमत होना।
- महिलाओं का वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर न होना।

अन्य दोनों रूपों में 'समाज में मूल्यों

का विघटन भी इस समस्या को जन्म देता है।

शराब पर प्रतिबंध : प्रभाव

1. शराब बेचना प्रतिबंध
2. शराब का निर्माण आदि पर बैन।
3. समाज में सामाजिक अपराधों - घरेलू हिंसा, दुर्घटना, मानसिक तनावों आदि में कमी।
4. आर्थिक हानि न होना।

प्रतिबंध की समस्याएँ

(i) तस्करी व कालाबाजारी की समस्या - और महंगे दामों पर मिलना।
(ii) पुलिस - तस्कर - राजनेता गठजोड़।
(iii) खान-पान के अधिकार पर बैन।
(iv) राज्य की राजस्व हानि।

हालांकि बिहार व गुजरात के उदाहरण बताते हैं कि शराब पर प्रतिबंध -
(i) राजस्व सृजन पर प्रभाव नहीं

डालता क्योंकि -

शराब का कर राजस्व कम

किंतु → आम जन उत्पादकता वृद्धि → उत्पादन अधिक → आर्थिक क्रियाओं में वृद्धि।
→ अधिक कर राजस्व।

(iii) यहाँ पर 'सामाजिक अपराधों' में भी उल्लेखनीय कमी आती है।

अतः समस्या प्रतिबंध की नहीं बल्कि इसके उचित क्रियान्वयन की है। जिसे पूर्णतः क्रियान्वित करना समय की मांग है।

सुवाओं पर लत से निपटने के सुझाव

① मूल्य तंत्र → शिक्षा में मूल्य समावेशन।
└→ जागरूकता अभियान - कुप्रभावों से अवगत कराना।

② आर्थिक सशक्तिकरण।
└→ प्रभावी गरीबी उन्मूलन व रोजगार देना।
• रचनात्मकता को प्रोत्साहन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ पुनर्वासात्मक :-
· आदतन युवाओं का प्रभावी उपचार – नशा मुक्ति केन्द्रों में सुधार।
· समाज का नशा करने वाले के प्रति धारणा प्रबंधन।

④ महिला :- अमर्त्य सेन के अनुसार महिला को सामाजिक परिवर्तन की एजेंसी बनाना सामाजिक समस्याओं का समाधान है।

⑤ कानूनी :- NPDS अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन।

उपर्युक्त बहुआयामी उपायों के साथ 'राष्ट्रीय युवा नीति' व 'खेल नीति' से युवाओं की रचनाशीलता व क्रियाकलापों को उचित दिशा देकर प्रभावी कदम उठाये जा सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are posted as a District Magistrate (DM) of a district where residents are facing the menace of stray dogs. Instances of dogs chasing two-wheelers, cyclists and attacking pedestrians are on the rise. Elderly persons as well as children are the worst-hit and recently, an 8 year old girl was severely injured by a pack of dogs. The perceived magnanimity of the problem and inaction from government authorities have prompted vigilante groups to cull dogs in mass numbers. However, local NGOs have come out against such a practice of mass culling and are calling for stringent action against those killing stray dogs.

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) As the DM, suggest short-term and long-term measures to tackle the above issue. **(20)**

आप एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट (DM) के रूप में तैनात हैं जहां के निवासी आवारा कुत्तों के खतरे का सामना कर रहे हैं। कुत्तों द्वारा दोपहिया वाहनों, साइकिल सवारों का पीछा करने और पैदल चलने वालों पर हमला करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। बुजुर्गों के साथ-साथ बच्चे भी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं और हाल ही में कुत्तों के एक झुंड ने एक 8 वर्ष की बच्ची को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। समस्या की कथित भयावहता और सरकारी अधिकारियों की निष्क्रियता ने निगरानी समूहों को बड़ी संख्या में कुत्तों को मारने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि, स्थानीय गैर-सरकारी संगठन ने सामूहिक हत्या की इस तरह की प्रथा का विरोध किया है और आवारा कुत्तों को मारने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) DM के रूप में, उपर्युक्त मुद्दे से निपटने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों का सुझाव दीजिए।

स्थूल रूप में आवारा-कुत्तों की समस्या
था मानव-पशु संघर्ष एवं सूक्ष्म रूप से
प्रकृति के अन्य जीवों व मानव के
मध्य संबंधों को उजागर करने वाली
यह केस-स्टडी मानव व पशु अधिकारों
के मुद्दों के इर्द-गिर्द अवस्थित है।

प्रमुख मुद्दे

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मुद्दे

कानूनी मुद्दे

- पशुओं के क्रुरता निवारण अधिनियम बनाम संविधान के अनुच्छेद 19 व 21 के अनुसार मानवों के विचरण व जीवन के अधिकार का मुद्दा

प्रशासनिक मुद्दे

- प्रशासन में कानून पालन (सत्यनिष्ठा) बनाम जानवरों के प्रति (संवेदना) का मुद्दा।
- प्रभावी जन सुनवाई व शिकायत निवारण का मुद्दा।

कुत्तों के मुद्दे

- कुत्तों के जीवन का अधिकार।
- काटने की प्रवृत्ति बनाम मानव अधिकार।
- हर जीव साधन है या साध्य

मानवों या जनता मुद्दे

- क्या समाज में केवल मानवों को रहने का अधिकार है
- हिंसात्मक पशुओं के समुचित समाधान का मुद्दा।

मूल्य से जुड़े मुद्दे

- सत्यनिष्ठा
- संवेदना
- कर्तव्य
- अहिंसा
- करुणा।

निपटने का कार्यवाही :- मेरी कार्यवाही जानवरों के प्रति संवेदना; व्यक्तिगत जीवन बचाने के मेरे कर्त्तव्य के साथ-साथ विभिन्न लोगों के साथ सहभागिता के साथ कार्य करने के मूल्य से प्रेरित होगी।

अल्पकालिक

① तत्काल पुलिस की मदद से सर्वप्रथम मैं लोगों द्वारा कुत्तों को मारने के क्रियाकलापों पर निवारण लगाकर उचित क्रियावाही करूँगा। (पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960)।

② विभिन्न NGO - पशु अधिकार संबंधी से सहभागिता कर कुत्तों के व्यवहार नियंत्रण के सुझाव लूँगा।

③ सर्वोच्च प्राथमिकता :- कुत्तों से जनता की शारीरिक हानि को रोकना होगा। इसके लिये -

- जनता को जागरूक बनाना।
- कुत्तों के लिये शेल्टर हाउस बनाकर उनका प्रबंधन।
- हिंसात्मक व खतरनाक कुत्तों की सूचनार्थ हेल्पलाइन नम्बर जारी कर तुरंत मदद करना।
- पागल कुत्तों के संबंधों में कठोर कार्यवाही करना

दीर्घकालिक उपाय

① किसी भी पशु के साथ मानवों के संबंधों को सुधार के दिशा-निर्देश जारी करना।
② आवारा कुत्ता अडॉप्टिंग हेतु जागरूकता
③ कुत्तों की मास वैक्सिनेशन (रेबीज) का उपाय किया जा सकता है।
④ NGO की मदद से समाज में पशुओं के प्रति 'संवेदना' का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रसार किया जा सकता है (PETA) आदि।

मिल्टन सैंगर ने अपनी पुस्तक 'एनिमल लिबरेशन' में मानवों के समान जानवरों के अधिकारों की बात कही थी। महात्मा गांधी के हिंसा न करने के उपायों व अपने प्रशासनिक कर्तव्यों के अनुरूप मैं कार्य करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are a young officer posted as the Superintendent of Police (SP) in a district. You have received information that at a party some people were harassed by your subordinate police officer. On further inquiry, you came to know that two complaints have been filed – one by the police and the other by people who organised the party. According to the police, people had gathered without permission and were not following COVID-19 appropriate behaviour and social distancing norms. But on the other hand, the complaint filed by the party organisers says that police entered the private venue due to loud noise and harassed everyone at the party including women guests. According to them, your subordinate police officer even tore apart the document, which granted permission to organise the party. A video of this incident, showing your subordinate officer tearing off a document, is being widely circulated on social media platforms. Due to this, social activists want you to take strict action against your subordinate police officer.

(a) Identify the ethical issues in the case.

(b) What are the factors that can influence decision by competent authorities in such instances? Do you think mobilising public opinion through social media is a fair way to influence the decision in such cases?

(c) As the SP, what will be your course of action in this situation?

(20)

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात एक युवा अधिकारी हैं। आपको सूचना मिली है कि एक पार्टी में आपके अधीनस्थ पुलिस अधिकारी ने कुछ लोगों को परेशान किया है। पूछताछ में, आपको ज्ञात होता है कि दो शिकायतें दर्ज की गई हैं - एक पुलिस द्वारा और दूसरी पार्टी का आयोजन करने वाले लोगों द्वारा। पुलिस के अनुसार, लोग बिना अनुमति के एकत्र हुए थे और वे कोविड-19 संबंधी उचित व्यवहार और सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन नहीं कर रहे थे। लेकिन दूसरी ओर पार्टी आयोजकों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि पुलिस अधिक शोर के कारण निजी स्थल में घुसी और महिला मेहमानों सहित पार्टी में शामिल सभी व्यक्तियों को परेशान किया। उनके अनुसार, आपके अधीनस्थ पुलिस अधिकारी ने उस दस्तावेज को भी नष्ट कर दिया, जिसमें पार्टी आयोजित करने की अनुमति दी गई थी। इस घटना का एक वीडियो, जिसमें आपके अधीनस्थ अधिकारी को एक दस्तावेज़ को फाड़ते हुए दिखाया गया है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से प्रसारित किया जा रहा है। इसके कारण सामाजिक कार्यकर्ता चाहते हैं कि आप अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) ऐसे कौन-से कारक हैं जो ऐसे प्रकरणों में सक्षम अधिकारियों के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं? क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया के माध्यम से जनमत जुटाना ऐसे प्रकरणों में निर्णय को प्रभावित करने का एक उचित तरीका है?

(c) SP के रूप में, इस स्थिति में आपकी क्या कार्रवाई होगी?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सोशल मीडिया के माध्यम से ~~खबरिया~~ प्रशासन की कृत्यों के वीडियो की घटनाएँ हों या मीडिया ट्रायल का मुद्दा ; प्रशासन की नागरिक जवाबदेही हो या जनता की जागरूकता का मुद्दा → सभी पर नज़र डालती यह केस स्टडी कई मुद्दों को समेटती है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे

(i) अधीनस्थों की कार्यवाही या शिकायतकर्ता की शिकायत के विश्वास का मुद्दा।

(ii) सोशल मीडिया के दबाव में कार्य करने का मुद्दा।

(iii) जनता द्वारा प्रशासनिक नियम (कोविड प्रोटोकॉल) के पालन का मुद्दा।

(iv) पुलिस / प्रशासन की दबंगई या संवेदनहीनता का मुद्दा।

(v) वीडियो आदि को साक्ष्य के रूप में मानने का मुद्दा।

(vi) जनमत की भावनाओं के प्रभाव में या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तटस्थता से कार्यवाही का मुद्दा।

(v) प्रशासनिक दायित्व या सामाजिक कर्तव्यों के पालन का मुद्दा।

कारक जो प्रभाव डालते हैं

(i) मीडिया ट्रायल :- सोशल मीडिया के माध्यम से ट्रॉलिंग व प्रशासन पर आरोप लगाना।

(ii) जनता की भावनाओं से प्रभावित हो सकते हैं

(iii) तत्कालिक ग्राउंड स्थिति के बजाय सोशल मीडिया की वीडियो में से किसे तरजीह दी जाये।

(iv) एकपक्ष की ही कार्यवाही का सबूत संपूर्ण स्थिति को देखने नहीं देता।

सोशल मीडिया का प्रयोग

पक्ष	विपक्ष
1. प्रशासनिक निरंकुशता पर लगाम।	1. एकपक्ष पर ही बात।
2. जवाबदेही बढ़ाने में	2. 'मीडिया' का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. महत्तम लोगों का महत्तम लाभ (समावेशन) सुनिश्चित करती है।

4. प्रशासन कार्यवाही की कमियाँ उजागर करना।

प्रभाव।

3. तटस्थता से समझौता।

4. वस्तुनिष्ठता प्रभावित।

5. फेक वीडियो, छेड़-छाड़ युक्त वीडियो भी हो सकते हैं।

कार्यवाही का स्वरूप

① अधीनस्थों की कार्यवाही के संबंध में

- तृतीय तटस्थ जाँच अधिकारी से जाँच कराना जो सीधे रिपोर्ट करे।
- एकबारगी (ए.पी.ओ.) नरम सजा (अपराध साबित होने तक) दी जा सकती है।

② सोशल मीडिया वीडियो

- 'फॉरेंसिक जाँच' के लिये भेजना।
- वीडियो मेकर (यदि मिले) तो पूछताछ करना।

③ समारोह के संबंध में :- स्वीकृति पत्र-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की जाँच करना।

- 'कोविड आचरण' के व्यवहार की जाँच करना।
- वहाँ मौजूद अन्य व्यक्तियों को गवाह के लिये बुलाना।

निर्णय : उपर्युक्त कार्यवाही के आधार पर बिना मीडिया से प्रभावित हुए मैं दोषी को दंड दिलाने का प्रयास करूँगा क्योंकि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था - "जोदि तोर डाक सुने केऊ न आसे, तोबे एकला चालो रे।"

अतः तटस्थता व वस्तुनिष्ठता के साथ संवेदना का मूल्य इस स्थिति में आवश्यक होगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. As India's vaccination drive against the COVID-19 pandemic breaches the 100 crore inoculation mark, some of the most backward tribal districts of the country still remain unvaccinated. You are the new District Magistrate (DM) in one such tribal district. The vaccination drive has been unsuccessful in the district so far despite imminent threats of the virus. It is believed that the tribals of the district refuse to get vaccinated due to their personal beliefs regarding immunization. Further, the community doctor who works in geriatrics and has almost daily contact with members of the district, too has refused to be vaccinated based on his personal beliefs. This has made the people more adamant about their decision to remain unvaccinated. Additionally, rumours of a few deaths post-vaccination have spread in the district. There is also a high risk of rising cases in the nearby districts spilling over to your district. There is a dire need for assuaging the fear of people and extreme pressure on the administration to take action and conduct the vaccination drive smoothly.

(a) What are the ethical issues in the given case?

(b) As the DM in charge, what steps will you take to tackle the issues?

(c) Discuss how persuasion can be used to convince people to voluntarily get vaccinated. **(20)**

जहाँ कोविड-19 महामारी के विरुद्ध भारत का टीकाकरण अभियान 100 करोड़ टीकाकरण के बिंदु को पार कर गया है, वहीं देश के कुछ सबसे पिछड़े आदिवासी जिले अभी भी टीकाकरण से वंचित हैं। आप ऐसे ही एक आदिवासी जिले के नए जिलाधिकारी (DM) हैं। इस वायरस के आसन्न खतरों के बावजूद जिले में टीकाकरण अभियान अब तक असफल रहा है। ऐसा माना गया है कि जिले के आदिवासी टीकाकरण के संबंध में अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं के कारण टीकाकरण से मना करते हैं। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक चिकित्सक जो जराचिकित्सा में कार्य करता है और जिले के सदस्यों के साथ लगभग दैनिक संपर्क रखता है, ने भी अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं के आधार पर टीकाकरण से मना कर दिया है। इसने लोगों को टीकाकरण से नहीं जुड़ने के अपने निर्णय के बारे में और अधिक अडिग बना दिया है। इसके अतिरिक्त, जिले में टीकाकरण के बाद कुछ मौतों की अफवाह प्रसारित हो गई। आपके जिले से आस-पास के जिलों में मामलों के बढ़ने और वहां से आपके जिले में इसके प्रसार का उच्च जोखिम बना हुआ है। लोगों के भय को शांत करने और प्रशासन पर कार्रवाई करने एवं टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए दबाव बनाने की अत्यधिक आवश्यकता है।

(a) दिए गए प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) प्रभारी DM के रूप में, इन समस्याओं से निपटने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?

(c) चर्चा कीजिए कि लोगों को स्वेच्छा से टीकाकरण हेतु मनाने के लिए अनुनय का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

वैक्सीन - हैजिटेन्सी के साथ जनजागरूकता आदि प्रकरणों के समुच्चय बनाती यह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

केस स्टडी विपरीत हितों में प्रशासनिक संतुलन व आपदा के समय प्रशासनिक कृत्यों को संबोधित करती है

प्रमुख मुद्दे

हितधारक	मुद्दे
1. जनजातीयाँ	• जागरूकता का मुद्दा • वैक्सीन हैजिटेन्सी • मान्यता बनाम आधुनिक विज्ञान का टकराव।
2. चिकित्सक	• प्रोफेशनल एथिक्स का पालन न करने का मुद्दा। • व्यक्तिगत मान्यता बनाम कर्त्तव्यपालन का मुद्दा।
3. प्रशासन	• महामारी से बचाव का मुद्दा। • जीवन रक्षा के मानव अधिकार व सांस्कृतिक अधिकारों (मान्यताएँ) का मुद्दा • दबाव बनाम अनुनयन का मुद्दा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्य - समाज के स्तर पर आपदा के उचित प्रबंधन व प्रभावी कोरोना संक्रमण से जन-जीवन रक्षा का मुद्दा भी सन्निहित है।

DM के रूप में मेरे कदम

① जनजातीयों के संबंध में

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग
- उनकी भाषा में प्रभावी संवाद।
- वैक्सीन के लाभों का विवरण।
- वहाँ के मुखिया से प्रभावी संवाद।

अनुनयन का प्रयोग
- 'फेक न्यूज' के बारे में जागरूक करना।
- महामारी की वैक्सीन व परंपरा-मान्यता में कोई विरोध नहीं है यह समझाना।

सहयोगिता → स्थानीय NGO के प्रयोग द्वारा प्रभावी जागरूकता।

② डॉक्टर के संबंध में :- उसे "शंभु राम यादव बनाम हनुमान दास खत्री"

मामले 2001 का हवाला दूँगा जहाँ सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था किसी व्यवसाय के कर्त्तव्यों का पालन न करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जानी चाहिये।

→ उसके उसके व्यावसायिक कर्त्तव्यों की याद दिलाऊँगा।

→ अधीनस्थ ANM व ASHA कार्यकर्त्ता को साथ लेकर विकेन्द्रित तरीके से प्रभावी वैक्सीन ड्राइव चलाऊँगा।

③ प्रभावी शिकायत निवारण कार्यालय स्थापना
- → जनजातियों की शिकायत।
- → फेक न्यूज के मामले।

④ मीडिया :- मीडिया के व्यक्तियों से सहयोग लेकर प्रभावी जागरूकता व सकारात्मक खबर चलाने का अनुरोध करूँगा।

⑤ विकेन्द्रित प्रयास :- पंचायतों के मुखिया

धार्मिक जनों से मिलकर महामारी के केसों के प्रभावी डेटा, जानकारी आदि हेतु हेल्पलाइन शुरू की जा सकती है।

इस प्रकार गुरुनानक जी के 'सच्चा सौदा' अर्थात् 'सेवा भावना' से प्रेरित होकर मैं अपनी कार्यवाही संचालित करूँगा और अजागरूक को जागरूक बनाकर महामारी रोकथाम का प्रयास करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. In India, there exists a huge gap between demand for organ transplants and available donors, both living and cadaver. Besides a lack of awareness on organ donation, the rise of non-communicable and lifestyle diseases, such as hypertension and diabetes have led to increased instances of organ failure, in turn putting even more pressure on the demand for vital organs. According to reports, an estimated four lakh people die in India every year waiting for an organ transplant. Other than the legal and administrative issues, there are various ethical issues related to organ donation and transplantation in India. Provide an account of these ethical issues in detail. Also, discuss how the gap between demand and supply of organs in India can be closed. **(20)**

भारत में अंग प्रत्यारोपण की मांग और उपलब्ध दाताओं, जीवित और मृत दोनों के मामलों में, के बीच एक व्यापक अंतराल विद्यमान है। अंगदान के बारे में जागरूकता की कमी के अतिरिक्त, गैर-संचारी और जीवन शैली से संबंधित रोगों जैसे कि उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह के बढ़ने से अंग विफलता के मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे महत्वपूर्ण अंगों की मांग पर और भी अधिक दबाव पड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में प्रत्येक वर्ष लगभग चार लाख लोगों की अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में मृत्यु हो जाती है। कानूनी और प्रशासनिक मुद्दों के अतिरिक्त, भारत में अंग दान और प्रत्यारोपण से संबंधित विभिन्न नैतिक मुद्दे भी विद्यमान हैं। इन नैतिक मुद्दों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि भारत में अंगों की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतराल को कैसे समाप्त किया जा सकता है।

भारत में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मृत्यु लिवर, किडनी आदि बीमारियों से हो जाती है व साथ ही जनगणना के अनुसार (2011) लगभग 2.2 % लोग विकलांग है। इनमें से अनेक ऐसे हैं जिन्हें अंग प्रत्यारोपण द्वारा नया जीवन दिया जा सकता है।

मुद्दे

(1) कानूनी :- व्यापक कानून व नीतिगत

दिशा-निर्देशों का अभाव।

प्रशासनिक :- उचित क्रियान्वयन का अभाव।

नीतिगत मुद्दे — महंगे अंग

① अंगदान के संबंध में लोगों में जागरूकता का न होना।

② 'पारंपरिक मान्यता' बनाम आधुनिक विज्ञान का द्वन्द्व - उदा० कई मान्यताएँ ऐसी है जिनमें माना जाता है कि आँखे दान करने से अगले जन्म में अंधे पैदा होंगे।

③ अवैध अंगों के कारोबार का मुद्दा
- किडनी निकाल लेना।
- मानव तस्करी।

④ 'सूचित सहमति' व 'पूर्ण जानकारी' न देने का मुद्दा।

⑤ अंग ग्राही के शरीर द्वारा दान किये अंग को ग्रहण करने का मुद्दा :- उक्त परिस्थिति में क्या किया जाये।

मांग व आपूर्ति अंतराल :- भारत में या विश्व में कई वर्षों की वेटिंग होती है। इसमें से अंगों की प्रत्यारोपण लागत भी अत्यन्त अधिक होती है।

मांग पक्ष ① प्रोत्साहन उपाय

- स्वस्थ जीवन शैली की जागरूकता बढ़ाना।
- व्यायाम / खेल / दिनचर्या सुधार को प्रोत्साहन → NCD's का खतरा कम
- मद्यपान, नशा सिगरेट आदि के संबंध में निषेध नियम लागू करना।

* व्यापक स्वास्थ्य संकल्पना (पोषक भोजन सहित लागू करना।)

② कानूनी उपाय
- → देशभर में व्यापक डेटा सृजन करना। (ग्राही व दाता का डेटा)
- → एक पोर्टल, वेब का निर्माण।
- → निजी अस्पतालों को प्रोत्साहन दि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वे इस मामले में जागरूकता सृजन करें।

आपूर्ति पक्ष

① परोक्ष दबाव :- अंगदान के कॉलम में अंगदान करने की जगह न करने को डिफॉल्ट भरे जाने से कई देशों में देखा गया है कि अंगदान की मात्रा में वृद्धि हुई है।

② जागरूकता :- सेलिब्रिटी द्वारा प्रचार
- प्रियंका राय द्वारा आँख दान करना। (घोषणा करना)

③ अवैध गतिविधियों पर लगाम।

④ डॉक्टरों को नैतिक प्रशिक्षण ~~करना~~ देना।

⑤ प्रशासनिक उपाय
- NOTTO जैसे संगठनों को अधिक कार्मिक, वित्त सेवाएँ देकर मजबूत बनाना।
- युवाओं में सिविल सोसाइटी से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जुड़कर जागरूकता सृजन।

बॉटम-अप एप्रोच :- प्राइमरी हेल्थ सेंटर, ASHA आदि को प्रशिक्षण देकर जन-सामान्य में अंगदान की प्रथा विकसित करना।

अतः उपनिषदों की 'परोपकार पुण्याय, पापाय परपीडनम' के साथ महात्मा बुद्ध की 'करुणा' की संकल्पना की मदद से इस प्रवृत्ति को बढ़ाना चाहिये।